नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

परस्पर संबंधों में नया आयाम

भारत की विदेश और व्यापार नीति ने बीते एक दशक में जिस आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाई है, भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) उसी यात्रा की एक मजबूत कड़ी है. महज नौ महीने में तय हुआ यह समझौता केवल व्यापारिक करार नहीं, बल्कि भारत की तेज़, स्पष्ट और संतुलित आर्थिक कूटनीति का प्रमाण है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के नेतृत्व में हुआ यह समझौता बताता है कि भारत अब निर्णय लेने में संकोच नहीं करता, लेकिन राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता भी नहीं करता. यही वजह है कि जहां भारतीय उद्योगों के लिए न्यूजीलैंड का बाजार पूरी तरह खोल दिया गया, वहीं भारतीय किसानों और डेयरी सेक्टर को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया. दरअसल, एफटीए के तहत भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड में शत-प्रतिशत शुल्क मुक्त प्रवेश मिलना एक बड़ी उपलब्धि है. कपड़ा, चमड़ा, दवाइयां, ज्वेलरी और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्रों को इससे सीधा लाभ होगा. यह ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को वैश्विक मंच से जोड़ने की कोशिश कर रहा है.

न्यूजीलैंड द्वारा अगले 15 वर्षों में 20 बिलियन डॉलर निवेश का संकल्प भारत के आर्थिक भविष्य में भरोसे की मुहर है. बुनियादी ढांचे, ग्रीन एनर्जी और टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में यह निवेश न केवल विकास की गति बढ़ाएगा, बल्कि युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी पैदा करेगा. पिछले अनुभव बताते हैं कि मुक्त व्यापार समझौतों में सबसे बड़ी चिंता कृषि और डेयरी सेक्टर की होती है. इस समझौते में भारत ने स्पष्ट रुख अपनाया है. दूध, गेहूं, चावल और चीनी जैसे संवेदनशील उत्पादों को एफटीए से बाहर रखकर सरकार ने यह संदेश दिया है कि वैश्वीकरण की दौड़ में भारतीय किसान पीछे नहीं छूटेंगे. यह संतुलन ही इस समझौते की सबसे बड़ी ताकत है.

यह समझौता केवल माल के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है. वर्किंग हॉलिडे वीजा, पेशेवरों के लिए विशेष कोटा और छात्रों के लिए पोस्ट-स्टडी अवसर भारत के युवाओं को वैश्विक अनुभव और कौशल का मंच देंगे. इससे भारत की 'स्किल्ड मैनपावर' की वैश्विक मांग और मजबूत होगी. व्यापार के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और रक्षा सहयोग पर सहमति यह दर्शाती है कि भारत अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारियों को भी समान महत्व देता है. क्रिकेट और सांस्कृतिक सहयोग इस रिश्ते को जन-स्तर तक ले जाने का काम करेंगे.

कुल मिलाकर भारत-न्यूजीलैंड एफटीए भारत की नई सोच का प्रतीक है,तेज़ फैसले, स्पष्ट प्राथमिकताएं और राष्ट्रीय हितों की मजबूत रक्षा. यह समझौता बताता है कि भारत अब वैश्विक व्यापार में केवल भागीदार नहीं, बल्कि दिशा तय करने वाला देश बन रहा है. आने वाले वर्षों में यह करार भारत की आर्थिक ताकत और कूटनीतिक विश्वसनीयता,दोनों को नई ऊंचाई देगा. जाहिर है भारत और न्यूजीलैंड के मजबूत संबंधों का यह नया आयाम है.

क्यों हुआ बदलाव? मनरेगा से अलग है वीबी-जी रामजी योजना

ओजस्कर पाण्डेय

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम की जगह लेने वाला जी राम जी विधेयक पारित हो गया. इस नए कानून के तहत सरकार हर ग्रामीण परिवार को, जिसके वयस्क सदस्य दिहाड़ी मजदूरी वाला काम करना चाहते हैं, साल में 125 दिन का रोजगार गारंटी के साथ देगी. इस योजना का मकसद सिर्फ काम देना नहीं, बल्कि गांवों में मजबूत और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना भी है, ताकि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा करने में गांव भी बड़ी भूमिका निभाएं.

> केंद्र सरकार का कहना है कि नए नियमों से मनरेगा की ढाचांगत कमियों को दूर किया गया है. सबसे पहले तो योजना के तहत रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 दिन करने का दावा किया गया है. केंद्र और राज्य 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य के तहत इन परिसंपत्तियों को आगे बढ़ाने की योजनाएं भी साझा तौर पर तैयार करेंगी. यानी एक राष्ट्रीय नीति के तहत काम के बिखराव को समेटा जाएगा और तय दिशा में इसे आगे बढ़ाया जाएगा. विधेयक के मुताबिक, इसमें ग्रामीण विकास के लिए सभी कार्यों की पहचान स्थानीय स्तर पर तैयार विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं के जरिए की जाएगी. इन विकास कार्यों के लिए केंद्र सरकार निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक जानकारी जुटाएगी, इसके बाद ही कार्यों का आवंटन होगा.

योजना चार बड़े सेक्टर पर फोकस करेगी- पानी से जुड़ा काम, जैसे तालाब, जल संरक्षण, सिंचाई से जुड़े स्ट्रक्चर, गांव की सड़कें, कनेक्टिविटी और दूसरी बुनियादी सुविधाएं, आजीविका से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे स्टोरेज, मार्केट, प्रोडक्शन से जुड़े ढांचे, मौसम और जलवायु से होने वाले नुकसान (बाढ़, सूखा आदि) से बचाव वाले काम, इन सभी के तहत बनने वाले एसेट्स को एक बड़े डिजिटल स्ट्रक्चर में जोड़ा जाएगा, जिसे विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक कहा गया है. पहले मनरेगा में साल के 100 दिन रोजगार की गारंटी थी, अब इसे 125 दिन कर दिया गया है, यानी 25% ज्यादा कमाई की संभावना. मनरेगा के काम कई कैटेगरी में बिखरे हुए थे, अब नया कानून साफ-साफ कुछ फोकस्ड कामों पर पैसा लगाएगा, ताकि एसेट टिकाऊ हों और गांव की अर्थव्यवस्था को सीधा फायदा मिले. अब हर गांव के लिए विकसित ग्राम पंचायत प्लान बनाया जाएगा, जिसे ग्राम पंचायत खुद तैयार करेगी.

यह प्लान राष्ट्रीय स्तर की स्पेशल प्लानिंग सिस्टम जैसे गति शक्ति से भी जोड़ा जाएगा, ताकि गांव का विकास नेशनल प्लानिंग के साथ मैच हो सके. किसानों को मिलने वाले लाभ. किसानों को खेती के पीक सीजन (बुवाई-कटाई के समय) में मजदूरों की कमी न हो, इसलिए राज्य 60 दिन तक ऐसे पीरियड तय कर सकते हैं, जब इस योजना के तहत पब्लिक वर्क बंद रहेगा. इससे मजदूर खेती में लगेंगे और खेती की मजदूरी कृत्रिम रूप से बहुत ज्यादा नहीं बढ़ेगी. पानी, सिंचाई, स्टोरेज, सड़क और मार्केट जैसे कामों से किसान की फसल, सिंचाई और मंडी तक पहुंच बेहतर होगी, नुकसान कम होगा और आमदनी बढ़ेगी. पहले रोजगार की 100 दिन की गारंटी थी, अब 125 दिन की गारंटी होगी, यानी ज्यादा दिनों तक पक्का काम और आमदनी. पेमेंट पूरी तरह डिजिटल, आधार और बायोमेट्रिक से वेरिफाइड होगी, जिससे फर्जीवाड़ा और मजदूरी काटने जैसी दिक्कतें कम होंगी.

सरकार का कहना है कि मनरेगा 2005 के समय की जरूरतों के हिसाब से बनी थी, लेकिन अब ग्रामीण भारत काफी बदल चुका है. गरीबी काफी कम हुई, गांवों में सड़क, बैंक, मोबाइल, डिजिटल सिस्टम और दूसरी योजनाओं के कारण सुरक्षा जाल मजबूत हुआ, इसलिए पुरानी खुली-छोड़ी हुई व्यवस्था अब उतनी कारगर नहीं मानी जा रही. रिपोर्टों में कई जगह बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, फर्जी काम, कागज पर बने प्रोजेक्ट, मशीन से काम कराकर मजदूरी दिखाना और डिजिटल हाजिरी को चकमा देने जैसी समस्याएं सामने आईं. कई जगह जांच में पाया गया कि खर्च तो बहुत दिखा, लेकिन जमीन पर काम या एसेट वैसे नहीं मिले, जितना पैसा दिखाया गया था, और 2024-25 में करीब 193 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की रिपोर्ट भी आई. इन सबको देखते हुए सरकार का दावा है कि अब सिर्फ छोटे-मोटे सुधार से काम नहीं चलेगा, बल्कि पूरा ढांचा बदलकर एक नया, ज्यादा डिजिटल, ज्यादा जवाबदेह और इंफ्रास्ट्रक्चर-फोकस्ड कानून लाना जरूरी था.

अब फंडिंग को डिमांड बेस से तय मानक मॉडल पर लाया जा रहा है, यानी बजट तय पैरामीटर के हिसाब से पहले से प्लान होगा, लेकिन 125 दिन की गारंटी कानूनी रूप से बनी रहेगी. केंद्र और राज्य मिलकर पैसा लगाएंगे. आम तौर पर 60:40 के रेशियो में, यानी 60% पैसा केंद्र सरकार देगी और 40% पैसा राज्य सरकार से आएगा, जबकि नॉर्थ-ईस्ट और पहाड़ी राज्यों के लिए ये रेशियो 90-10 और कुछ केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 100% केंद्र फंडिंग होगी. एआई से फ्रॉड पकड़ने की कोशिश. केंद्र और राज्य स्तर पर स्टीयरिंग कमेटी.

दिल्ली डायरी

'जी राम जी' राजग का राजनीतिक प्रयोग या उद्देश्यपूर्ण प्रयास

प्रवेश कुमार मिश्र

मनरेगा की जगह लेने वाले विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन यानी वीबी-जी राम जी ग्रामीण अधिनियम के आधार व उद्देश्य को लेकर भाजपा व कांग्रेस आमने-सामने है. मनरेगा को नए नामकरण व कुछ बदलाव के साथ आगे बढ़ाए गए राजग सरकार के निर्णय को विपक्षी विरोध के बावजूद भले ही दोनों सदनों ने पारित कर दिया है लेकिन संसद में हारी कांग्रेस पार्टी इस लड़ाई को सड़क पर लड़ने की तैयारी में है.

पिछले दिनों पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक पत्र लिखकर जिस तरह सरकार को घेरने का प्रयास किया है उससे साफ है कि कांग्रेस इस लड़ाई को गांवों की गलियों तक पहुंचाने के साथ सरकार के खिलाफ माहौल बनाने के प्रयास में है. हालांकि ग्रामीण विकास मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कांग्रेसी आरोपों को भ्रामक बताकर तथ्यात्मक आधार बनाकर मोर्चाबंदी की है लेकिन राजनीतिक गलियारों में नाम बदलाव के निर्णय को लेकर बहुस्तरीय चर्चा हो रही है. ज्यादातर लोग इसके उद्देश्य को एक प्रयोग मान रहे हैं.

प्रियंका गांधी के राजनीतिक व्यवहार व भाषण शैली की चर्चा

पिछले दिनों संसद के अंदर विभिन्न विषयों पर हुए चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने जिस आत्मविश्वास के साथ मुस्कुराते हुए सरकार को घेरते हुए भाषण दिया उसकी चौतरफा सराहना और चर्चा हो रही है. इतना ही नहीं केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से व्यक्तिगत मुलाकात के दौरान अपने संसदीय क्षेत्र के विकास से जुड़े विषयों पर केंद्रित चर्चा हो या शीतकालीन सत्र की समाप्ति पर लोकसभा अध्यक्ष के साथ चाय पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सहज व्यवहार के साथ बातचीत हो , प्रियंका का राजनीतिक व्यवहार भी सुर्खियों में है. सत्ताधारी दलों के नेता भी प्रियंका गांधी की व्यवहार कुशलता की चर्चा करते हुए उन्हें उनके पारिवारिक पूर्वजों से तुलना कर रहे हैं.

कांग्रेस की ओर देख रहे हैं टीएमसी नेता

पश्चिम बंगाल में भाजपा के आक्रामक चुनावी रणनीति से परेशान टीएमसी के रणनीतिकार अब किसी भी तरह समान विचारधारा वाले दलों को एकजुट करने और भविष्य में चुनावी गठजोड़ करने की रणनीति पर मंथन कर रहे हैं. चर्चा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विशेष निर्देश पर टीएमसी के कुछ नेताओं ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ रणनीतिकारों के साथ विमर्श आरंभ कर दिया है. सत्ता पर काबिज रहने के उद्देश्य से टीएमसी नेता वोट बैंक में किसी भी सेंधमारी को रोकने के लिए इंडिया समूह में शामिल कुछ अन्य दलों से भी बात कर रहे हैं. दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि टीएमसी रणनीतिकार भविष्य की लड़ाई को एकतरफा नहीं मान रहे हैं . संभवत: इसी वजह से एक कदम आगे बढ़कर कांग्रेस के साथ गठजोड़ की रूपरेखा तैयार की जा रही है.

कर्नाटक के बाद केरल कांग्रेस संगठन में अंतरद्वंद

कांग्रेस नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार व संगठन में जारी अंतर्कलह अभी शांत भी नहीं हुई थी कि चुनावी मुहाने पर खड़े केरल कांग्रेस में उथल-पुथल मच गई है. चर्चा है कि रमेश चेन्निथला,केसी वेणुगोपाल व अन्य प्रमुख नेताओं के गुट आपस में भिड़े हुए हैं. हालांकि दिल्ली में बैठे पार्टी नेता केरल के वरिष्ठ नेताओं के साथ लगातार चर्चा कर रहे हैं लेकिन अभी तक मामला ठीक नहीं हुआ है. इसलिए कहा जा रहा है कि पार्टी नेताओं के बीच एकजुटता कायम रखने के लिए वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी जल्द ही बैठक करने वाली हैं.

पीके के नए प्रयोग की आहट से घबराए लालू

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद बिहार की राजनीति में जिस तरह से कांग्रेस व जनसुराज पार्टी के प्रणेता प्रशांत किशोर एक नया मोर्चा बनाने के प्रयास में हैं उससे राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव समेत उनकी पार्टी में बेचैनी महसूस की जा रही है. चर्चा है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने विशेष दूत के माध्यम से सोनिया गांधी से संपर्क साधा है. राजद को कांग्रेस का नैसर्गिक गठबंधन सहयोगी बताते हुए लालू ने कांग्रेसी नेताओं के सामने भावनात्मक अपील की है. उधर पीके ने जिस तरह से दिल्ली में स्वयं मोर्चाबंदी की है उससे राजद खेमे में खलबली मची हुई है.

हाथियों की मौत का जिम्मेदार कौन?

असम के होजाई जिले के संगजुराई गांव में सायरंग-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से 8 हाथियों की दर्दनाक मौत हो गई. इनमें 4 शिशु हाथी थे और एक गर्भिणी हथिनी थी. 2019 से लेकर अब तक 94 हाथियों की ट्रेन की टक्कर से जान चली गई. जब जंगल के क्षेत्रों से होकर रेल नेटवर्क बढ़ाने की योजना बनाई जाती है, तब उन परंपरागत कॉरिडोर का ध्यान रखना चाहिए, जहां से होकर हाथी व अन्य वन्य प्राणी आना-जाना करते हैं. हाथियों की स्मरणशक्ति बहुत अच्छी होती है. वह अपना पीढ़ियों पुराना रास्ता पहचानते हैं और वहीं से जाते हैं. क्यों न उनके लिए ऐसे क्षेत्र सुरक्षित कर दिए जाएं. देश में वन्य जीवों की बहुलता है. विकास और निर्माण की होड़ में वन्य पशुओं के निवास और उनके द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला मार्ग उपेक्षित कर दिया जाता है. अपने भोजन व पानी की तलाश में हाथी अपने जाने पहचाने मार्ग से गुजरते हैं. ऐसे इलाकों में ट्रेन की गति धीमी करते हुए हॉर्न बजाना चाहिए और यदि वन्य प्राणियों का झुंड नजर आए, तो ट्रेन रोक देनी चाहिए. कोहरे के दौरान विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए. मूक प्राणी अपने अधिकारों या दुख-दर्द की शिकायत किसी से नहीं कर सकते. इसके अलावा मानव बस्तियों के विस्तार की वजह से इंसान व जानवर का संघर्ष भी बढ़ रहा है. जंगल सिकुड़ते जा रहे हैं. बस्तियों व खेतों का विस्तार हो रहा है. इसी के परिणामस्वरूप शिकार की खोज में तेंदुए व बाघ गांवों ही नहीं, शहरों में भी घुसने लगे हैं. देश के 30 बाघ अभयारण्यों में केवल 27 कॉरिडोर हैं. ऐसे में बाघ कहां विचरण करेगा? असम में हाथी और गेंडे की बहुतायत है. वहां एआई पर आधारित अलर्ट प्रणाली का इस्तेमाल किया जाना चाहिए ताकि पता चले कि हाथी रेलमार्ग पार कर रहे हैं या वहां अड़े हुए हैं. यात्री सुविधा के लिए उन इलाकों में भी रेल नेटवर्क बढ़ाया जा रहा है, जो वन्य जीवों के प्रजनन व निवास स्थल हैं तथा जहां से उनका आवागमन होता है. वन विभाग की राय लेकर ही वहां निर्माण होना चाहिए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सोने की चमक, रुपया बेहाल, मत पूछो मौसम का हाल

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें बताइए मौसम का हाल क्या है? कहते हैं इस बार जनवरी-फरवरी में भी कड़ाके की ठंड जारी रहेगी. गांव हो या शहर, हर तरफ शीतलहर ! रामायण में खर-दूषण तो दिल्ली की हवा में प्रदूषण ! छाया इतना कोहरा, नहीं दिखता किसी का चेहरा!'

हमने कहा, 'धर्मेंद्र ने बहुत पहले गाते हुए देशवासियों को मौसम का हाल बता दिया था आज मौसम बड़ा बेइमान है आज मौसम, आने वाला है कोई तूफान आज मौसम ! एक फिल्म में शशिकपूर ने भी गाया था-एक बरस में मौसम चार, पांचवां मौसम प्यार का इकरार का. इसके अलावा उन्होंने गाया था- नी सुल्ताना रे प्यार का मौसम आया, हाय-हाय हरी-हरी छाया.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, छाया हरी नहीं, बल्कि काली होती है. मौसम भी सिर्फ 3 होते हैं-जाड़ा, गर्मी और बरसात. यूरोप-अमेरिका में फॉल, विंटर और ऑटम नामक 3 मौसम होते हैं. राजकपूर को बारिश अच्छी लगती थी इसलिए उन्होंने बरसात नामक फिल्म बनाई थी.'

हमने कहा, 'इस समय महाराष्ट्र के नगर परिषद व नगर पंचायत चुनावों के नतीजों ने बता दिया कि महायुति के आंगन में गरज के साथ वोटों की झमाझम बारिश हुई है. यदि आप अर्थशास्त्रीय मौसम पर नजर डालें तो मालूम पड़ेगा कि डॉलर की बाढ़ में रुपया डूबता जा रहा है. कड़कड़ाती आसमानी बिजली के समान सोने-चांदी की चमक आंखों को चौंधिया रही है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, इस समय गजक खाकर अजब-गजब मौसम का आनंद लीजिए. लोग स्वेटर और जर्सी पहनकर फैशन का नजारा या स्टाइल स्टेटमेंट पेश कर रहे हैं. कुछ ने अपना शादी का पुराना कोट निकालकर पहनना शुरू कर दिया है. ऐसे भी लोग हैं जो पुराने अभिनेता राजकुमार या आप नेता केजरीवाल के समान मफलर का इस्तेमाल कर रहे हैं. पार्टियों में अलगाव है तो गरीब के सामने हाथ सेंकने के लिए सुलगता अलाव है. सर्दी-जुकाम के मरीजों की फौज आई है जिससे डॉक्टरों की कमाई है. बाजार में रेलमपेल है क्योंकि विंटरवेयर का सेल है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12120 - डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. जिसने अच्छी शिक्षा पाई हो (सं.) 4. चौपाया, गाय-भैंस आदि पशु 6. तृण, सूखी घास का टुकड़ा 8. वन में उत्पन्न होने वाला पदार्थ 10. तन्मय, लीन 13. हरा (उर्दू) 14. तीतर की तरह का एक पक्षी जो चंद्रमा का परम प्रेमी माना जाता है 15. उत्तरप्रदेश का एक शहर जो कैंचियों के लिए प्रसिद्ध है 16. पीड़ा, दु:ख, मुसलमानों का धर्मगुरु 17. फूलों का बाग, पुष्पवाटिका 18. बच्चों के पिता को संबोधन करने का एक शब्द19. पत्नी का भाई 21. धनवान, धनी, 22. आकाश में दूर तक कुहरे की तरह फैला हुआ वह प्रकाश जो अंधेरी रात में सफेद धारी की तरह दिखाई देता है

ऊपर से नीचे

1. अच्छा मौका 2. वह स्थान जहां धरती और आकाश मिले हुए दिखाई देते हैं 3. देह 5. ग्वाला (म) 7. जेलखाने की अंधेरी और छोटी कोठरी 9. नाड़ी (उर्दू) 11. देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ, दूल्हा 12. म्युनिसिपल कमेटी 14. गाय, भैंस आदि चराने वाला 15. मिलाप, एकता, डाकगाड़ी 16. काठ या लोहे का बना एक बड़ा पात्र 17. अंदर हवा भरना 19. इच्छा, अभिलाषा 20. बहुत बड़ा, सर्वश्रेष्ठ

Solution 12119

आ	र	क्ष	ण		का		बे
वे	ग			चा	र	पा	ई
द		प्र	सा	र	ण		मा
न	वी	क	र	ण		भा	न
	त	र				षा	
पु	रा	ण		अ	सु	वि	धा
ज	ग		दा	ल		ज्ञा	न
ना		आ	वा	ग	म	न	

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यवसायिक कार्यो में परिश्रम अधिक करना पडेगा. व्यय और संतान की चिन्ता से मन अशांत रहेगा. वाणी में कठोरता तथा प्रियजनों के प्रति उदासीनता रहेगी. मान सम्मान के प्रति सचेत रहें. वर्ष के मध्य में सत्ता पक्ष से सुख मिलेगा. प्रभाव बना रहेगा. राजकीय सम्मान की प्राप्ति का योग है. वर्ष के अन्त में प्रतिष में वृद्धि होगी. भाईयों का सहयोग रहेगा. नवीन कार्यो के प्रति रूचि रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. भाईयों का सहयोग मिलेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों के लिये व्यवसायिक कार्यो में परिश्रम अधिक करना पडेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को सत्ता पक्ष से लाभ मिलेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को संतान पक्षर की चिन्ता रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को नियमितता का ध्यान रखना होगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्ति का योग है. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा हो सकती है.

मेष- मतभेद दूर होने से रिश्ते मजबूत होंगे, रूखे व्यवहार से मित्र वर्ग नाराज होगा, पुराना कार्य बनेगा, अचानक धन लाभ होने का योग है.

वृषभ- डूबा धन मिलने के आसार है, अपनों के व्यवहार से खिन्नता होगी, व्यवसाय से लाभ होगा, नवीन योजना बनेगी. मित्रों से मतभेद हो सकता है.

मिथुन- सामाजिक कार्यो से जुड़े लोगों से अच्छा लाभ होगा, भूमि भवन मकान आदि के कार्यो में समस्या का समाधान होगा, पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

कर्क- कार्य के संबंध में अनुकूल आश्वासन मिलेंगे, लापरवाही से काम पूरे नहीं होगे, दिदनचर्या नियमित रहेगी, परिश्रम अधिक करना होगा.

सिंह- दुविधा की स्थिति में फैसला लेना मुश्किल होगा, गुमी वस्तु मिलने का योग है, पारिवारिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी, परिश्रम अधिक करना होगा.

कन्या- अपने लोग ही उलझाने का प्रयास कर सकते हैं, मांगलिक कार्य पर विचार होगा, मान सम्मान में वृद्धि होगी, व्यक्ति विशेष की सलाह लेना हितकर रहेगा.

तुला- सामूहिक कार्य में सभी की सलाह लाभदायक रहेगी, बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, सामाजिक कार्यो में सफ्लता प्राप्त होगी.

वृश्चिक- बातो बातों में नई शुरूआत हो सकती है, जरूरतें पूरी करने उधारी संभव है, पुराने पेंडिंग पड़े कार्य बनेंगे, योजनाओं का विस्तार होगा.

धनु- राजकीय मामलों में लापरवाही से नुकसान होगा, शादी विवाह की चर्चा में सफ्लता मिलेगी, अधूरे कार्यो में गति आयेगी, शिक्षा के क्षेत्र में सफ्लता मिलेगी.

मकर- धार्मिक आयोजन में खर्च होगा, न चाहते हुये भी लोगों की आलोचना झेलना पड़ सकती है, सोचे कार्य बिलंब से होंगे, विवादों का समाधान होगा.

कुम्भ- कानूनी पक्ष मजबूत होगा, करीबी लोगों के व्यवहार से दुख होगा, मानसिक अस्थिरता रहेगी, नियमित कार्यो में व्यवधान आ सकता है.

मीन- सुविधा की कमी से कार्य में मुश्किल आयेगी, अनुभव का लाभ मिलेगा, नौकरी तथा राजकीय कार्यो में अच्छा समाचार मिलेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चतुर, भाग्यवान, तथा परिश्रमी रहेगा, जिस कार्य को ठान लेगा, उसे पूरा करके ही छोड़ेगा, शिक्षा अच्छी होगी, व्यापार और नौकरी दोनों में अच्छी तरक्की करेगा, धार्मिक कार्यो में झुकाव रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

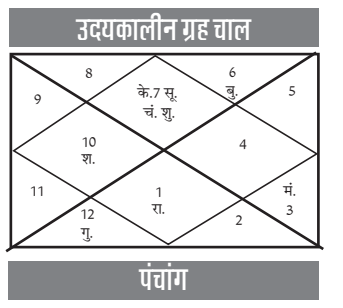

पंचांग

रा.मि. 03 संवत् 2082 पौष शुक्ल चतुर्थी बुधवासरे दिन 10/53, धनिष्ठा नक्षत्रे रातअंत 6/10, हर्षण योगे दिन 3/3, विष्टि करणे सू.उ. 6/47, सू.अ. 5/13, चन्द्रचार मकर शाम 5/55 से कुम्भ, शु.रा. 10, 12, 1, 4, 5, 8 अ.रा. 11, 2, 3, 6, 7, 9 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

पौष शुक्ल चतुर्थी को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड चीनी, में पूर्व की चाल रहेगी, जीरा, धनियां, हल्दी में मंदी होगी, सोना, चांदी, में उतार चढ़ाव रहेगा, वायदा विचार आज जिस कार्य में वस्तु के भाव टूटें उसी में अगले दिन तेजी होगी. भाग्यांक 2607 है.

SUDOKU 7252

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7251

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8